

मुत्थानशक्ति और समावेशिता के लिये भावी शहरों की योजना

यह एडिटरियल 21/02/2025 को **बज़िनेस स्टैंडर्ड** में प्रकाशित **“Kumbh's transient city raises lessons in urban planning and resilience”** पर आधारित है। लेख में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि कुंभ मेला कृषणिक शहरीकरण का उदाहरण है, जो कुंभ मेला अस्थायी शहरीकरण का एक प्रमुख उदाहरण है, जो एक छोटे अस्थायी शहर के लिये त्वरित बुनियादी अवसंरचना के निर्माण को प्रदर्शित करता है तथा शहरी डिज़ाइन में सुरक्षा, संवहनीयता, मानव व्यवहार और सामूहिक ज़िम्मेदारी के महत्त्वपूर्ण प्रश्न उठाता है।

प्रलिस के लिये:

NITI आयोग, **74वाँ संवधान संशोधन**, **15वाँ वित्त आयोग**, **केंद्रीय बजट 2025-26**, **अरबन चैलेंज फण्ड**, **स्मार्ट सटीज मशिन (वर्ष 2015)**, **AMRUT (अटल कायाकल्प और शहरी परिवर्तन मशिन) योजना**, **प्रधानमंत्री आवास योजना (PMAY)**, **स्वच्छ भारत मशिन-शहरी**, **दीन दयाल अंत्योदय योजना - NULM**, **कौशल विकास**, **वित्तीय समावेशन**, **गति शक्ति मास्टर प्लान (2021)**, **MyGov**, **स्वच्छ सर्वेक्षण**

मेन्स के लिये:

सतत शहरी परिवर्तन में शहरी नियोजन का महत्त्व।

कुंभ मेले का अस्थायी शहर तेज़ी से हो रहे शहरीकरण को दर्शाता है, लेकिन **संवहनीयता**, **समुत्थानशक्ति** और **शासन** में चुनौतियों को भी उजागर करता है। भारत की शहरी आबादी वर्ष 2050 तक **50%** तक पहुँचने का अनुमान है, अनियोजित विकास **आवास**, **परिवहन** और **संसाधनों पर दबाव** डाल रहा है। **अपर्याप्त नियोजन**, **लापरवाह शासन** व **शहरी योजनाकारों की कमी** से **भीड़भाड़** एवं **पर्यावरण संबंधी समस्याओं** से स्थिति और भी बदतर हो जाती है। भविष्य के लिये तैयार शहरों के लिये **शहरी नियोजन**, **शासन** को सुदृढ़ करना और **संघारणीय बुनियादी अवसंरचना** महत्त्वपूर्ण है।

शहरी नियोजन और परिवर्तन में सुधार की क्या आवश्यकता है?

- **तीव्र शहरीकरण:** अनुमान है कि वर्ष 2050 तक भारत की **शहरी आबादी** 50% तक पहुँच जाएगी, जिससे बुनियादी अवसंरचना पर दबाव बढ़ेगा।
 - वर्ष 2001 और 2011 के दौरान जनगणना कसबों की संख्या 1,362 से बढ़कर 3,892 हो गयी, जो **अनियोजित वृद्धि** को उजागर करती है।
 - अपर्याप्त शहरी नियोजन से **भीड़भाड़**, **आवास की कमी**, **पर्यावरण क्षरण** और **संसाधन कूपबंधन** जैसी समस्याएँ उत्पन्न होती हैं।
 - मैकन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट का अनुमान है कि भारत को वर्ष 2030 तक शहरी **बुनियादी अवसंरचना** में **1.2 ट्रिलियन डॉलर** का निवेश करने की आवश्यकता है।
- **व्यापक नियोजन तंत्र का अभाव:** **NITI आयोग** के अनुसार, 4,041 वैधानिक शहरों (**भारत की 2011 की जनगणना** के अनुसार) में से **52%** में वर्तमान में अनुमोदित मास्टर प्लान का अभाव है या वे तैयार नहीं हैं।
 - अनियोजित शहरी वसतिार के परिणामस्वरूप **अकुशल परिवहन प्रणाली**, **जल की कमी** और **स्वच्छता संबंधी समस्याएँ** उत्पन्न होती हैं।
 - एक बार जब अनियमित वसतिार हो जाता है तो शहरों की पुनर्रचना महंगी और अप्रभावी हो जाती है।
- **कुशल शहरी नियोजकों की कमी:** **NITI आयोग** के लिये **TCPO** और **NIUA** द्वारा किये गए एक अध्ययन के अनुसार, भारत में केवल 17,000 शहरी नियोजक हैं, जबकि **12,000** नगर नियोजकों की कमी है।
 - कुशल पेशेवरों के बिना, शहरी शासन खंडति, अकुशल और असंवहनीय बना रहता है।
- **खंडति शहरी शासन:** **74वाँ संवधान संशोधन** का उद्देश्य **शहरी स्थानीय निकायों (ULB)** को सशक्त बनाना था, लेकिन इसका क्रियान्वयन अपर्याप्त रूप से किया गया।
 - शहरी नियोजन का कार्य स्वतंत्र रूप से करने वाली अनेक एजेंसियों के कारण **अकुशलताएँ** और **निम्नस्तरीय सेवा वितरण** होता है।
 - **शहरी स्थानीय निकायों में वित्तीय स्वायत्तता** का अभाव है, जिसके कारण वे धन के लिये राज्य और केंद्र सरकारों पर निर्भर रहते हैं।
 - उदाहरण के लिये, **बेंगलुरु** और **जयपुर** शहर संपत्तिकर से संभावित आय का मात्र **5 से 20% ही एकत्र** कर रहे हैं।

शहरी नियोजन और परिवर्तन में चुनौतियाँ क्या हैं?

- **पुराने नयामक कार्यदाँचे:** अधिकांश राज्य स्तरीय नगर एवं ग्राम नयोजन अधनियम पुराने हो चुके हैं, जो आधुनिक शहरी चुनौतियों का समाधान करने में वफिल हैं।
 - **वनियमों में जलवायु अनुकूलन, स्मार्ट बुनयादी अवसंरचना और सतत् शहरीकरण** के प्राधानों का अभाव है।
 - **धीमी भूमि अधग्रहण प्रक्रिया** बुनयादी अवसंरचना परियोजनाओं के समय पर कार्यान्वयन में बाधा डालती है।
- **अकुशल भूमि उपयोग और झुग्गी-झोपड़ियों की वृद्धि:** लापरवाह भू-उपयोग नीतियों के कारण भीड़भाड़, अनयोजित वसितार और झुग्गी-झोपड़ियों की संख्या में वृद्धि होती है।
 - ज़ोनगि कानूनों के कमज़ोर प्रवर्तन के कारण **अतिक्रमण और अनधिकृत कॉलोनियों का विकास** जारी है।
 - वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, **महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश की संयुक्त झुग्गी आबादी 2.20 करोड़** है, जो भारत की कुल झुग्गी आबादी **6.55 करोड़ का लगभग 33.6%** है।
 - **धारावी पुनर्विकास परियोजना का लक्ष्य 10 लाख से अधिक झुग्गीवासियों का पुनर्वास** करना है, लेकिन भूमि विवादों के कारण इसमें वलिंब हो रहा है।
- **सीमति सार्वजनिक भागीदारी और जागरूकता:** उच्च साक्षरता दर के बावजूद, शहरी नयोजन में सार्वजनिक भागीदारी न्यूनतम बनी हुई है।
 - शहरी प्रशासन के बारे में **जागरूकता की कमी के कारण नीतिकार्यान्वयन अप्रभावी** हो जाता है।
 - **सहभागी बजट**, जसिमें नवासी नरिणय लेने में योगदान करते हैं, भारतीय शहरों में बहुत हद तक अनुपस्थिति है।
- **शहरी स्थानीय निकायों (ULB) में वित्तीय बाधाएँ:** कम संपत्ति कर अनुपालन और अपर्याप्त वित्तीय प्रबंधन के कारण **ULB को राजस्व सृजन में संघर्ष** करना पड़ता है।
 - **RBI की रपिर्ट** के अनुसार, कर राजस्व नगर नगिमों की आय का केवल **30%** है।
 - केंद्रीय और राज्य वित्तपोषण पर निर्भरता शहरों की स्वतंत्र विकास योजनाओं को क्रयान्वति करने की क्षमता को सीमति करती है।
- **पर्यावरणीय चुनौतियाँ और जलवायु अनुकूलन:** भारत में प्रतविरष **42 मलियन टन ठोस अपशषिट (नगर-नगिम) उत्पन्न** होता है, जसिमें से **72% टयिर-1 शहरों से आता** है।
 - अनयिमति शहरीकरण से **प्रदूषण, अपशषिट कूपबंधन और संसाधनों की कमी** बढ़ती है।
 - दलिली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे प्रमुख शहरों में लापरवाह शहरी नयोजन के कारण वायु की गुणवत्ता लगातार नमिन होती जा रही है।
 - **लैसेट प्लैनेट हेल्थ** के अधययन में पाया गया कि भारत का कोई भी भाग वशिव सवास्थय संगठन के वायु गुणवत्ता मानकों को पूरा नहीं करता है, तथा PM2.5 प्रदूषण के कारण प्रतविरष 15 लाख लोगों की मृत्यु होती है।

शहरी नयोजन और परविरतन के लयि क्या कदम उठाए गए हैं?

- **वधायी एवं नीतगित सुधार:**
 - वर्ष 1996 के शहरी विकास योजना नरिमाण एवं कार्यान्वयन (UDPMI) दशानरिदेशों ने नयोजन प्रक्रया को सुव्यवस्थिति कयि।
 - वर्ष 2014 **शहरी और कषेत्रीय विकास योजना नरिमाण और कार्यान्वयन (URDPFI)** दशानरिदेशों ने आधुनिक शहरी रणनीतियों की शुरुआत की।
 - **15वें वतित आयोग** ने नगरपालिका सुधारों और **शहरी प्रशासन** के लयि वतित पोषण बढ़ाने की सफिराशि की।
 - **मॉडल टेनेसी एकट (2021)** का उद्देश्य करिये के बाज़ारों को औपचारिक बनाना और आवास की कमी को रोकना है।
 - भारत सरकार ने **स्मार्ट सटि मशिन और AMRUT** के तहत **शहरी बुनयादी अवसंरचना के वतितपोषण को बढ़ाने** के लयि **नगर-नगिम बॉण्ड** को बढ़ावा दयि।
 - **पुणे, इंदौर और अहमदाबाद** जैसे शहरों ने सफलतापूर्वक बॉण्ड जारी कयि, जसिसे वतितय संवहनीयता सुनश्चिति हुई तथा बाज़ार-संचालति नविश के माध्यम से शहरी प्रशासन में सुधार हुआ।
- **पहल:**
 - **केंद्रीय बजट 2025-26** में, **अरबन चैलेंज फण्ड** ने शहरों को विकास केंद्र, शहरों के रचनात्मक पुनर्विकास और जल एवं स्वच्छता के समर्थन के लयि ₹1 लाख करोड़ आवंटति कयि हैं, जसिमें सत्र 2025-26 के लयि ₹10,000 करोड़ वशेष रूप से नरिधारति कयि गए हैं।
 - **स्मार्ट सटि मशिन (वर्ष 2015) प्रौद्योगिकी-संचालति शासन और बुनयादी अवसंरचना में सुधार** को बढ़ावा देता है।
 - **AMRUT (अटल कायाकल्प और शहरी परविरतन मशिन) योजना** शहरी बुनयादी अवसंरचना के विकास पर केंद्रति है।
 - **प्रधानमंत्री आवास योजना (PMAY)** का उद्देश्य **शहरी गरीबों को कफियती आवास** उपलब्ध कराना है।
 - **स्वच्छ भारत मशिन-शहरी** एक राष्ट्रव्यापी पहल है जसिका उद्देश्य खुले में शौच को समाप्त करना, अपशषिट प्रबंधन में सुधार करना और शहरी कषेत्रों में स्वच्छता को बढ़ावा देना है।
 - **दीन दयाल अंतयोदय योजना - NULM** एक मशिन है जो **कौशल विकास, स्वरोजगार और वतितय समावेशन** के माध्यम से शहरी गरीबों को **स्थायी आजीविका के अवसरों के लयि सशक्त** बनाता है।
 - **गतशक्तमास्टर प्लान (2021)** विकास को सुव्यवस्थिति करने के लयि **परविहन, रसद और शहरी बुनयादी अवसंरचना को एकीकृत** करता है।
- **डजिटल और GIS-आधारति योजना का एकीकरण:**
 - AMRUT के अंतर्गत प्रथम श्रेणी के शहरों के लयि **GIS आधारति मास्टर प्लान क्रयान्वति** कयि जा रहे हैं।
 - नागरिक सहभागति के लयि **MyGov** जैसे डजिटल प्लेटफॉर्म शहरी शासन में पारदर्शति बढ़ाते हैं।
 - **AI और बगि डेटा एनालटिक्स** को अपनाने से यातायात प्रबंधन एवं सेवा वतितरण में सहायता मलिति है।
 - उदाहरण के लयि, **पुणे एक्सप्रेसवे** यातायात उल्लंघनों की नगिरानी करने, पैटर्न का पता लगाने तथा सुगम यात्रा अनुभव हेतु

- सुरक्षा और दक्षता में सुधार करने के लिये इंटेल्जेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (ITMS) का उपयोग करता है।
- डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (DILRMP) ने 95% भूमि अभिलेखों का डिजिटलीकरण कर दिया है, जिससे शहरी नियोजन में सुधार हुआ है।

भारत में शहरी परिवर्तन के सर्वोत्तम अभ्यास और उदाहरण

- कुंभ मेला: अस्थायी शहरीकरण के लिये एक मॉडल:** पर्यागराज में वर्ष 2025 के कुंभ मेले में तेजी से बुनियादी अवसंरचना के विकास, **AI नगिरानी और स्मार्ट सिटी सॉल्यूशन** का प्रदर्शन किया जाएगा।
 - 30 पांटून पुलों और 92 नवीनीकृत सड़कों से सुचारू यातायात सुनिश्चित हुआ।
 - 2,700 CCTV कैमरों और ड्रोन के साथ AI-सक्षम नगिरानी ने सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को बढ़ाया।
 - इस आयोजन से **2.7 बिलियन डॉलर** की आर्थिक गतिविधि उत्पन्न हुई, जिससे शहरी नियोजन की आर्थिक क्षमता पर प्रकाश पड़ा।
- इंदौर का अपशषि्ट प्रबंधन मॉडल:** इंदौर की वकिेंद्रीकृत अपशषि्ट प्रबंधन प्रणाली ने स्रोत पर 100% अपशषि्ट पृथक्करण हासिल किया।
 - शहर ने लैंडफिल पर नरिभरता कम करने के लिये सख्त नगिरानी, नागरिक सहभागिता और कम्पोस्ट इकाइयाँ स्थापित कीं।
 - इंदौर को वर्ष 2017 से लगातार **स्वच्छ सर्वेक्षण रैंकिंग** में भारत के **सबसे स्वच्छ शहर** का दर्जा दिया गया है।
- शहरी यातायात प्रबंधन: चंडीगढ़ की AI ट्रैफिक प्रणाली** 2,000 से अधिक CCTV कैमरों के साथ उल्लंघन का पता लगाने को स्वचालित करती है, जिससे नयिमों का नरिबाध प्रवर्तन सुनिश्चित होता है।
 - कोलकाता का **रयिल-टाइम ट्रैफिक मैनेजमेंट**, प्रतीक्षा समय को कम करने और वाहनों की आवागमन में सुधार करने के लिये AI का उपयोग करके सिग्नल को समायोजित करता है।
- बंगलुरु की सतत परिवहन पहल:** मेट्रो वसितार परियोजनाओं और इलेक्ट्रिक बस बेड़े का उद्देश्य भीड़भाड़ एवं उत्सर्जन को कम करना है।
 - इलेक्ट्रिक वाहनों और साइकल-शेयरिंग कार्यक्रमों के साथ लास्ट-माइल कनेक्टिविटी का एकीकरण अभिगम को बढ़ाता है।
 - नम्मा मेट्रो चरण-2 का वसितार 72 कमी. तक होगा, जिससे यात्रा का समय 40% कम हो जाएगा।
- चेन्नई के जल प्रबंधन सुधार:** अनविरय वर्षा जल संचयन को लागू करके, चेन्नई ने अपनी जल गुणवत्ता में सुधार किया है और भूजल स्तर को बहुत हद तक बढ़ाया है।
 - शहर अब अपनी **जल मांग का 15% पुनर्चक्रण के माध्यम से पूरा करता है** तथा 8% उपचारित अपशषि्ट जल उद्योगों को बेचा जाता है।
- अन्य सर्वोत्तम प्रथाएँ:**
 - वशिाखापत्तनम में भारत का पहला पार्क** बनाया गया है, जो दवियांग बच्चों के लिये बनाया गया है, जिसमें समावेशी शहरी स्थानों को बढ़ावा देने के लिये संवेदी अनुभव, व्हीलचेयर सुलभता और सुरक्षित क्रीड़ा क्षेत्र शामिल हैं।
 - जबलपुर का 311 ऐप** नागरिकों को नागरिक सेवाओं तक अभिगम, शिकायतों की रिपोर्ट करने और सार्वजनिक बुनियादी अवसंरचना के मुद्दों को ट्रैक करने में सक्षम बनाता है। ऐप सीधे शासन से **संपर्क और वास्तविक काल समाधान** सुनिश्चित करता है।
 - सूरत** का शहरी प्रबंधन के लिये **एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र** शहर की नगिरानी, यातायात नियंत्रण और आपातकालीन मोचन के लिये IT प्रणालियों को एकीकृत करता है। यह प्रणाली **शहरी शासन, नागरिक सुरक्षा और नगरपालिका दक्षता** को बढ़ाती है।
 - नासिक** ने बहुस्तरीय बाढ़ तैयारी योजना को अपनाया, जिसमें GIS मैपिंग, रयिल-टाइम अलर्ट और समन्वित बचाव कार्यों को एकीकृत किया गया, जिससे **शहरी बुनियादी अवसंरचना पर आपदा प्रभाव को बहुत हद तक कम** किया जा सका।
 - चेन्नई ने **पाण्डी बाजार को पैदल यात्रियों के अनुकूल सैरगाह में बदल दिया**, जिससे पैदल चलने की सुविधा, शहरी साँदर्य और स्थानीय व्यापारिक सहभागिता में वृद्धि हुई, जिससे शहर अधिक रहने योग्य बन गया।

आगे की राह क्या होना चाहिये?

- शहरी शासन और स्वायत्तता को बढ़ाना:** **संपत्तिकर** और भूमि मूल्य अधिग्रहण का लाभ उठाकर शहरों को अधिक वित्तीय स्वायत्तता प्रदान की जानी चाहिये।
 - जर्मनी की नगरपालिका वित्त प्रणाली कुल कर राजस्व का लगभग **15% शहरी सरकारों को आवंटित** करती है।
 - इसके अलावा, **मुंबई नगर निगम** ने संपत्तिकर सुधार और **भूमि मुद्रीकरण** के माध्यम से राजस्व में वृद्धि की, **50,000 झुग्गी-झोपड़ियों के व्यवसायों का 350 करोड़ रुपए का मूल्यांकन** करने की योजना बनाई, जो **अन्य शहरी नकियाँ के लिये एक मॉडल** के रूप में कार्य करेगा।
- बुनियादी अवसंरचना के विकास के लिये सार्वजनिक-नजी भागीदारी का वसितार:** **सार्वजनिक-नजी भागीदारी (PPP)** के माध्यम से वकिसति बँगलोर का कम्पेगौडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, शहरी बुनियादी अवसंरचना में नजी क्षेत्र की प्रभावी भागीदारी को दर्शाता है।
 - ब्रिटन की टेम्स टाइडवे टनल प्रोजेक्ट**, जो एक सफल सार्वजनिक-नजी भागीदारी (PPP) पहल है, कुशल सीवेज प्रबंधन के माध्यम से यमुना और मूसी जैसी नदियों की सफाई के लिये **एक मॉडल के रूप में काम कर सकती है**।
- सतत शहरी विकास: सगिापुर की गरीन प्लान- 2030 **ससटेनेबल ट्रांसपोर्ट**, अपशषि्ट प्रबंधन और नेट-ज़ीरो कार्बन विकास पर केंद्रित है।**
 - कोपेनहेगन ने शहरी बाढ़ से निपटने के लिये **ब्लू-गरीन अवसंरचना** के साथ एक जलवायु अनुकूलन योजना वकिसति की है।
 - सुरत की जलवायु अनुकूल रणनीति**, जिसमें बाढ़ प्रबंधन, शहरी हरियाली और संधारणीय जल प्रथाओं का संयोजन किया गया है, समान पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रहे अन्य शहरों के लिये एक मॉडल के रूप में काम कर सकती है।
- डिजिटल और स्मार्ट शहरी नियोजन को सुदृढ़ बनाना:** बार्सिलोना की स्मार्ट सिटी पहल अपशषि्ट प्रबंधन और शहरी गतिशीलता को अनुकूलित करने के लिये IoT प्रौद्योगिकी का उपयोग करती है।

- भारत के स्मार्ट सिटी मिशन ने वास्तविक-काल नगिरानी के लिये भोपाल और पुणे जैसे शहरों में एकीकृत कमांड सेंटर स्थापति किये हैं।
- समावेशी और सहभागी शहरी विकास को बढ़ावा देना: ब्राज़ील के पोर्टो एलेग्रे में सहभागी बजट मॉडल, नगरपालिका संबंधी नरिणय लेने में नविकासियों को सशक्त बनाता है।
- पुणे का सहभागी बजट मॉडल, शहरी परियोजनाओं के प्रस्ताव और कार्यान्वयन के लिये स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाता है, जो समुदाय-संचालित विकास को बढ़ावा देने वाले अन्य शहरों के लिये एक मूल्यवान उदाहरण के रूप में काम कर सकता है।

नषिकर्ष

भारत के शहरी परिवर्तन को सतत विकास, कुशल शासन और समावेशी योजना पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। शहरी शासन, डिजिटल एकीकरण और कुशल कार्यबल को मज़बूत करने से संधारणीय, जन-केंद्रित शहर बनेंगे। एक दूरदर्शी दृष्टिकोण रहने योग्य, पर्यावरण की दृष्टि से समुत्थानशील और आर्थिक रूप से जीवित शहरी स्थान सुनिश्चित करेगा, जिससे भविष्य की पीढ़ियों के लिये दीर्घकालिक समृद्धि को बढ़ावा मलिया।

???????? ???? ???? ????:

प्रश्न. भारतीय शहर तीव्र शहरीकरण को समावेशी विकास और संसाधनों तक समान अभगिम के साथ किस प्रकार संतुलित कर सकते हैं?

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

????????????

प्रश्न. भारत में ठोस अपशषिट प्रबंधन नयिम, 2016 के अनुसार नमिनलखिति में से कौन-सा एक कथन सही है? (2019)

- अपशषिट उत्पादक को पाँच कोटियों में अपशषिट अलग-अलग करने होंगे।
- ये नयिम केवल अधसूचिति नगरीय स्थानीय नकियों, अधसूचिति नगरों तथा सभी औद्योगिक नगरों पर ही लागू होंगे।
- इन नयिमों में अपशषिट भराव स्थलों तथा अपशषिट प्रसंस्करण सुवधियों के लिये सटीक और ब्यौरेवार मानदंड उपबंधित हैं।
- अपशषिट उत्पादक के लिये यह आज्ञापक होगा कि किसी एक ज़िले में उत्पादित अपशषिट, किसी अन्य ज़िले में न ले जाया जाए।

उत्तर: (c)

????????

प्रश्न. कई वर्षों से उच्च तीव्रता की वर्षा के कारण शहरों में बाढ़ की बारंबारता बढ़ रही है। शहरी क्षेत्रों में बाढ़ के कारणों पर चर्चा करते हुए इस प्रकार की घटनाओं के दौरान जोखिम कम करने की तैयारियों की क्रियावधि पर प्रकाश डालिये। (2016)